THE INSTITUTE OF
Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

प्रेस विज्ञप्ति

ब्यूरो प्रमुख 5 अक्टूबर, 2021

आईसीएसआई ने अपना 53वां स्थापना दिवस माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में मनाया

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने सोमवार, 4 अक्टूबर, 2021 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को सशक्त बनाना" विषय पर अपना 53वां स्थापना दिवस मनाया।

माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और आजादी का अमृत महोत्सव के साथ उत्सव को जोड़ने के लिए संस्थान की सराहना की।

आत्मनिर्भर भारत अभियान पर जोर देते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा, "कंपनी सचिवों को अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ साथ कर-भुगतान करने वाले नागरिकों के लिए अनुपालन को आसान बनाने में मंत्रालयों और नियामक प्राधिकरणों के साथ साझेदारी करनी चाहिए।"

उन्होंने कंपनी सचिवों को कोविड-19 महामारी के दौरान उनके सराहनीय कार्य के लिए बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और देश के युवाओं से इस पेशे में शामिल होने का आग्रह किया क्योंकि भविष्य में सनराइज सेक्टर में कंपनी सचिव की भूमिका का और विस्तार होगा। श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पेशे की प्रगति और वैश्विक कॉर्पोरेट प्रशासन क्षेत्र में संस्थान की विकसित भूमिका की प्रशंसा की ।

डॉ. टी.वी. सोमनाथन, सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और श्री राजेश वर्मा, सचिव, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने पिछले 53 वर्षों में अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय काम करने के लिए संस्थान की सराहना की। कंपनी सचिवों की भूमिका के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, "आप अनुपालन के विशेषज्ञ हैं और आपकी अनुकरणीय सलाह कॉर्पोरेट्स को अनावश्यक अनुपालन से छुटकारा पाने में मदद करेगी"।

श्री राजेश वर्मा ने हितधारकों को विभिन्न निगमन और अन्य सेवाओं के लिए मंत्रालय को हर सहायता प्रदान करने में कंपनी सचिवों के योगदान की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि "आईसीएसआई कंपनी अधिनियम, एलएलपी अधिनियम में आवश्यक संशोधन लाने और बीआरआर समिति की रिपोर्ट तैयार करने के लिए बहुमूल्य सुझाव प्रदान करने में सहायक रहा है"।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, संस्थान ने माननीय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, के हाथों ऑस्ट्रेलिया में अपना 5वां प्रवासी केंद्र एवं सेबी (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ और स्वेट इक्विटी) विनियम 2021 पर एक प्रकाशन, संदर्भकर्ता भी लॉन्च किया।

आईसीएसआई की इस शानदार यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित, आईसीएसआई के अध्यक्ष, सीएस नागेंद्र डी राव ने एक मजबूत और लचीली आर्थिक प्रणाली का निर्माण करने के लिए रिकवरी और पुन: विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया, जो दुनिया में प्रभावी होगी। उन्होंने उल्लेख किया कि "निकट भविष्य में संस्थान का ध्यान: कौशल आधारित विकास; प्रौद्योगिकी का उपयोग; पेशे का वैश्वीकरण; अनुसंधान और कौशल विकास केंद्र और आईसीएसआई द्वारा निर्मित शासन मानकों का प्रचार" पर होगा।

सीएस देवेंद्र वी देशपांडे, उपाध्यक्ष, आईसीएसआई, ने संस्थान द्वारा किए गए विभिन्न सहयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, कंपनी सचिवों को केएमपी की अपनी मान्यता से आगे बढ़कर समग्र दृष्टिकोण के साथ पेशेवर बनना चाहिए और सभी हितधारकों को समाधान प्रदान करना चाहिए ।

आईसीएसआई के पूर्व अध्यक्ष सीएस रंजीत पांडे ने अपने संबोधन में आईसीएसआई के 53 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को साझा किया। उन्होंने कहा संस्थान के संस्थापक सदस्यों के ठोस प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया, जो इस प्रतिष्ठित निकाय, आईसीएसआई और इसके विकास, धैर्य और महानता की यात्रा में परिणत हुआ।

उत्सव का दूसरा भाग "उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से आत्मानिर्भर भारत को सशक्त बनाना" विषयक पैनल चर्चा के साथ जारी रहा। दिन के विशिष्ट पैनलिस्ट श्री दीपक बागला, एमडी और सीईओ,

इन्वेस्ट इंडिया; श्री बेजोन कुमार मिश्रा, अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ और संस्थापक, उपभोक्ता ऑनलाइन फाउंडेशन; श्री यादवेंद्र त्यागी, संस्थापक ENKASH; आईसीए एडस्किल्स के संस्थापक और अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार श्यामसुखा ने भारत में उद्यमिता और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर उत्कृष्ट अंतर्दृष्टि दी।

प्रीति कौशिक बनर्जी
निदेशक
कॉर्पोरेट संचार और अंतर्राष्ट्रीय मामले
दूरभाष: 011-4534 1022
ई-मेल: preeti.banerjee@icsi.edu